



Bhupal Partap Singh



Asha singh

Model: Love-Horoscope

Order No: 121904401

Model: Love-Horoscope

Order No: 121904401

Date: 12/04/2026

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
16-17/05/1987 : _____ जन्म तिथि _____ : 18-19/10/1990
शनि-रविवार : _____ दिन _____ : गुरु-शुक्रवार
घंटे 02:10:00 : _____ जन्म समय _____ : 04:00:00 घंटे
घटी 52:46:24 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 55:30:48 घटी
India : _____ देश _____ : India
Bihar : _____ स्थान _____ : Ara
25:11:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 25:34:00 उत्तर
85:31:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 84:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:12:04 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : 00:08:40 घंटे
घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
05:03:26 : _____ सूर्योदय _____ : 05:51:22
18:25:29 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:21:33
23:40:47 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:43:55
मीन : _____ लग्न _____ : कन्या
गुरु : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : बुध
धनु : _____ राशि _____ : तुला
गुरु : _____ राशि-स्वामी _____ : शुक्र
पूर्वाषाढा : _____ नक्षत्र _____ : चित्रा
शुक्र : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : मंगल
2 : _____ चरण _____ : 4
साध्य : _____ योग _____ : विष्कुम्भ
बालव : _____ करण _____ : किंस्तुघ्न
धा-धर्मन्द्र : _____ जन्म नामाक्षर _____ : री-रीतिका
वृष : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : तुला
क्षत्रिय : _____ वर्ण _____ : शूद्र
मानव : _____ वश्य _____ : मानव
वानर : _____ योनि _____ : व्याघ्र
मनुष्य : _____ गण _____ : राक्षस
मध्य : _____ नाडी _____ : मध्य
सर्प : _____ वर्ग _____ : मृग

Astro Numerologer "Om Namah Shivay"

Dharuhera, Rewari (HARYANA)

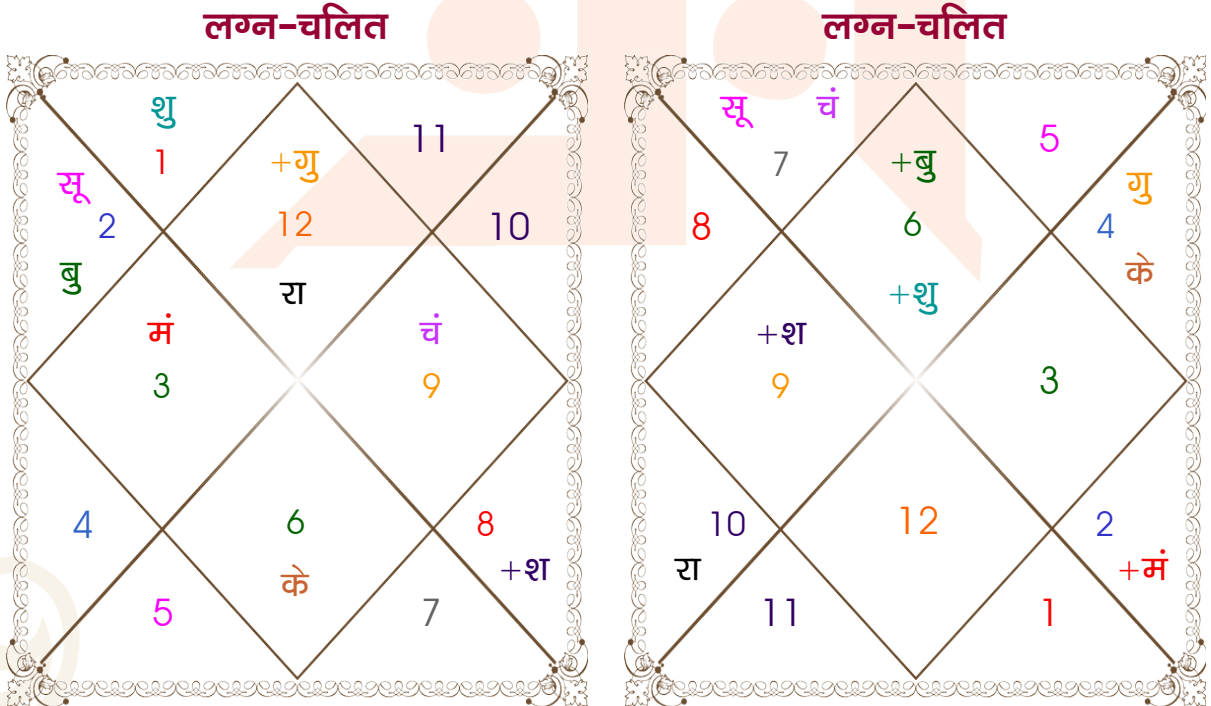
9817787962

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 13वर्ष 10मा 13दि	05:41:31	मीन	लग्न	कन्या	05:39:00	मंगल 0वर्ष 11मा 25दि
राहु	01:46:01	वृष	सूर्य	तुला	01:33:14	शनि
29/03/2024	17:25:14	धनु	चंद्र	तुला	04:47:25	13/10/2025
30/03/2042	03:32:27	मिथु	मंगल	वृष	20:48:19	13/10/2044
राहु 10/12/2026	12:51:16	वृष	बुध	कन्या	29:18:02	शनि 16/10/2028
गुरु 05/05/2029	23:59:30	मीन	गुरु	कर्क	17:07:08	बुध 26/06/2031
शनि 11/03/2032	05:33:02	मेष	शुक्र	कन्या	28:02:42	केतु 04/08/2032
बुध 28/09/2034	25:50:30	वृश्चि व	शनि	धनु	25:30:56	शुक्र 04/10/2035
केतु 17/10/2035	16:54:25	मीन व	राहु व	मक	09:48:33	सूर्य 15/09/2036
शुक्र 16/10/2038	16:54:25	कन्या व	केतु व	कर्क	09:48:33	चन्द्र 17/04/2038
सूर्य 10/09/2039	02:13:30	धनु व	हर्ष	धनु	12:21:43	मंगल 26/05/2039
चन्द्र 11/03/2041	13:58:24	धनु व	नेप	धनु	18:14:24	राहु 01/04/2042
मंगल 30/03/2042	14:25:23	तुला व	प्लूटो	तुला	23:05:06	गुरु 13/10/2044

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:40:47 चित्रपक्षीय अयनांश 23:43:55



Astro Numerologer "Om Namah Shivay"

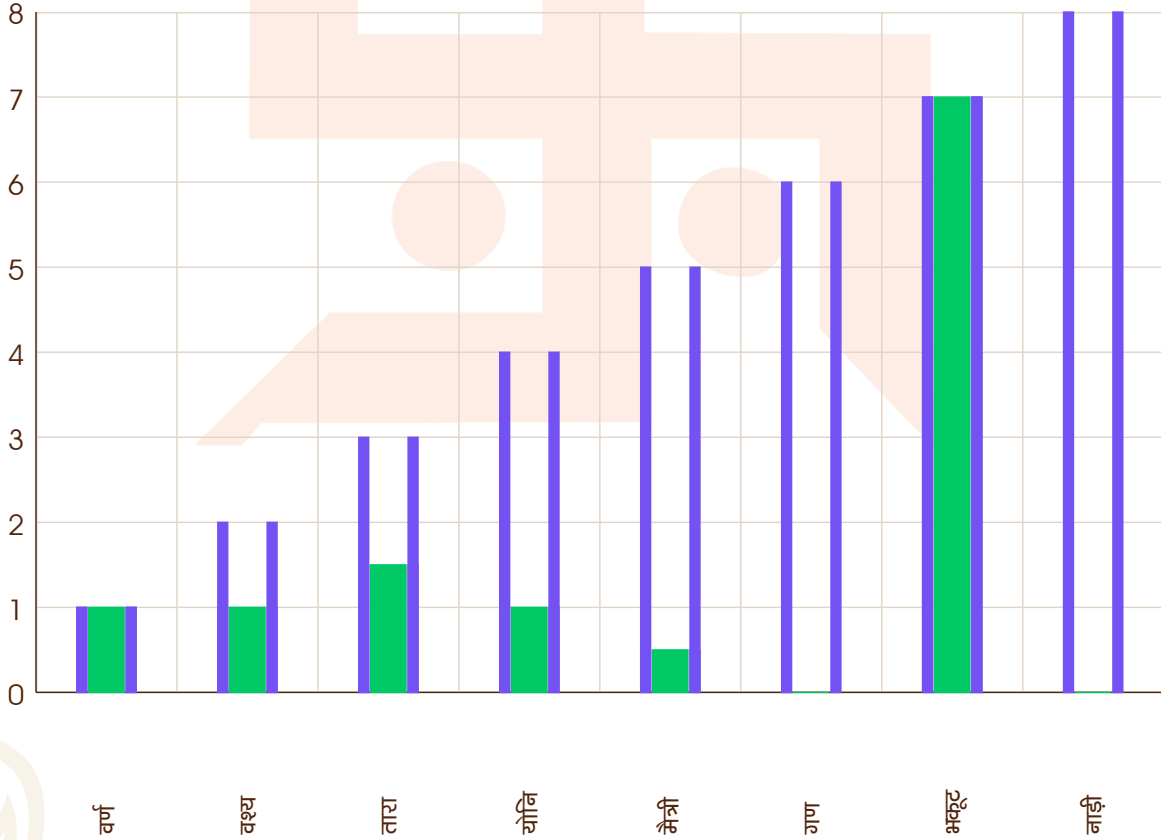
Dharuhera, Rewari (HARYANA)

9817787962

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

कुल : 12 / 36



Astro Numerologer "Om Namah Shivay"

Dharuhera, Rewari (HARYANA)

9817787962

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

ठीनचंस चंतजंचैपदही का वर्ग सर्प है तथा Asha singh का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ठीनचंस चंतजंचैपदही और Asha singh का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ठीनचंस चंतजंचैपदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Asha singh मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा ।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत् ।।**

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Asha singh की कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ठीनचंस चंतजंचैपदही तथा Asha singh में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ठीनचंस चंतजंचैपदही का वर्ण क्षत्रिय तथा Asha singh का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव से Asha singh वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा ठीनचंस चंतजंचैपदही से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

वश्य

ठीनचंस चंतजंचैपदही का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है एवं Asha singh का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार ठीनचंस चंतजंचैपदही एवं Asha singh एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Asha singh क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

ठीनचंस चंतजंचैपदही की तारा वध तथा Asha singh की तारा क्षेम है। ठीनचंस चंतजंचैपदही की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ठीनचंस चंतजंचैपदही बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। ठीनचंस चंतजंचैपदही को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Asha singh लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

ठीनचंस चंतजंचैपदही की योनि वानर है तथा Asha singh की योनि व्याघ्र है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं क्लेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है।

कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व क्लेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ठीनचंस चंतजंचैपदही का राशि स्वामी Asha singh के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Asha singh का राशि स्वामी ठीनचंस चंतजंचैपदही के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

ठीनचंस चंतजंचैपदही का गण मनुष्य तथा Asha singh का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Asha singh का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण ठीनचंस चंतजंचैपदही एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

ठीनचंस चंतजंचैपदही से Asha singh की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Asha singh से ठीनचंस चंतजंचैपदही की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण ठीनचंस चंतजंचैपदही परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Asha singh हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

ठीनचंस चंतजंचैपदही की नाड़ी मध्य है तथा Asha singh की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में ठीनचंस चंतजंचैपदही एवं Asha singh

का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।



Astro Numerologer "Om Namah Shivay"

Dharuhera, Rewari (HARYANA)

9817787962

मेलापक फलित

स्वभाव

ठीनचंस चंतजंचैपदही की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त धनु तथा Asha singh की वायु तत्व युक्त तुला राशि है। अग्नि एवं वायु तत्व में मित्रता होने के कारण ठीनचंस चंतजंचैपदही और Asha singh के मध्य स्वभावगत समानताएं रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में प्रगाढ़ता होगी तथा वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः मिलान अनुकूल रहेगा।

ठीनचंस चंतजंचैपदही की राशि का स्वामी बृहस्पति तथा Asha singh की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर सम तथा शत्रु राशियों में स्थित है। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति अनुकूल नहीं होगी तथा समानता की अपेक्षा विषमताएं अधिक होंगी। इससे ठीनचंस चंतजंचैपदही और Asha singh एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर संबंधों में कटुता तथा तनाव रहेगा। साथ ही सुख दुख में सहयोग का भाव भी अल्प ही रहेगा। अतः यदि ठीनचंस चंतजंचैपदही और Asha singh सामंजस्य एवं बुद्धिमता से परस्पर व्यवहार करें तो इसमें किंचित शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

ठीनचंस चंतजंचैपदही एवं Asha singh की राशियां परस्पर एकादश तथा तृतीय भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से ठीनचंस चंतजंचैपदही और Asha singh के उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी। साथ ही परस्पर सहयोग सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा एवं एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा गुणों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ठीनचंस चंतजंचैपदही का वश्य चतुष्पद तथा Asha singh का वश्य मानव है। चतुष्पाद एवं मानव वश्य परस्पर नैसर्गिक विषमता का भाव रखते हैं। अतः ठीनचंस चंतजंचैपदही और Asha singh की अभिरुचियों में अन्तर रहेगा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक विषमताओं के कारण एक दूसरे को पूर्ण सन्तुष्ट करने में असफल होंगे। जिससे असन्तुष्टि एवं अप्रसन्नता का भाव रहेगा।

ठीनचंस चंतजंचैपदही का वर्ण क्षत्रिय तथा Asha singh का वर्ण शूद्र है। अतः ठीनचंस चंतजंचैपदही की प्रवृत्ति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों में अधिक रहेगी परन्तु Asha singh किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी। अतः कार्य क्षमता में विषमता के कारण यदा कदा परेशानी उत्पन्न हो सकती है।

धन

ठीनचंस चंतजंचैपदही और Asha singh की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। ठीनचंस चंतजंचैपदही एवं Asha singh की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से ठीनचंस चंतजंचैपदही और Asha singh की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी

तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

ठीनचंस चंतजंचैपदही को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार ठीनचंस चंतजंचैपदही और Asha singh धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

ठीनचंस चंतजंचैपदही और Asha singh दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इसके प्रभाव से इनको समय समय पर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इससे ठीनचंस चंतजंचैपदही और Asha singh दोनों को उदर संबंधी कष्ट होगा तथा लीवर से संबंधित परेशानियां भी समय समय पर होती रहेंगी। वे अपच आदि से भी असुविधा की अनुभूति करेंगे। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव Asha singh के स्वास्थ्य पर रहेगा इसके प्रभाव से इनको धातु या गुप्त रोग अथवा मासिक धर्म संबंधी परेशानियां रहेंगी। अतः नाड़ी दोष एवं मंगल के अशुभ प्रभाव के कारण ऐसे मिलान की उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि उपरोक्त दुष्प्रभाव को कम करने के लिए हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करना शुभ रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से ठीनचंस चंतजंचैपदही और Asha singh का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Asha singh के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Asha singh को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विघ्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबंधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

ठीनचंस चंतजंचैपदही और Asha singh बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः ठीनचंस चंतजंचैपदही और Asha singh का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Asha singh के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबंध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबंधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Asha singh अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामंजस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृत्ति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबंध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Asha singh पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Asha singh अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबंधों में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

ठीनचंस चंतजंचैपदही की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर ठीनचंस चंतजंचैपदही सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ठीनचंस चंतजंचैपदही ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का ठीनचंस चंतजंचैपदही के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबंध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

लग्न फल

Bhupal Partap Singh

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित प्रभाव एवं ज्योतिषीय आकृति के अनुसार ऐसा अनुकूल संयोजन बन रहा है कि आप स्वाभाविक रूप में ऐसी आशा कर सकते हैं कि आपका जीवन धन और प्रसन्नता से युक्त अभिमंत्रित और धन्य है। इसका प्रभाव आपके जीवन, संतान और उसकी संतान तक अक्षुण रहेगा।

आप आकर्षक शारीरिक गठन से युक्त होंगे तथा प्रसन्नतम रूप के सहारें आप अधिकाधिक व्यक्तियों को आकर्षित करेंगे। आप सदैव चाहते हैं कि अच्छी प्रकार विपरीत योनि के सदस्यों पर अपनी प्रभाव जमा लें, अर्थात् नारियों को प्रभावित कर लें। आप जीवन में प्रेम को एक महत्वपूर्ण वस्तु समझते हैं। आप सदैव अपना झुकाव आनन्द प्राप्ति करने में तथा रोमांचित कार्य में लगाना चाहते हैं। आप पत्नी के चयन हेतु अपने लिए सुंदर अनुकूल एवं जीवन को आनंदित करने वाली कर्क अथवा कन्या राशि का जातक होगा।

यदि आप वासनात्मक घटनाक्रम को अति उत्कण्ठित होकर देखेंगे तब आप और भी अच्छा कर सकते हैं। आपके पास अच्छा ज्ञान है, इसलिए आप इसे साहस, सामर्थ्य के अनुसार किसी भी प्रकार की चुनौती को देख कर अपने हस्तगत कार्य को संपन्न करने का निर्णय कर सकते हैं।

आपकी अतिरिक्त आय भी आपके कार्यकलाप के अनुरूप होगी। आप हर दशा में भविष्य में परंपरा के अनुरूप पैतृक संपत्ति भी प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए आप हर दृष्टिकोण से पारिवारिक व्यवसाय की तरह व्यवसाय से लाभ प्राप्त करेंगे। आपका इस व्यवसाय के साथ संबंध रहना अच्छा है। अन्यथा आप व्यवसायों में यथा सामुद्रिक व्यवसाय, आयात-निर्यात कार्य, छाता अथवा बरसाती कोर्ट अथवा अभियांत्रिकी कार्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

सामाजिक जीवन के प्रति आपका अनुराग रहेगा। आप अधिक से अधिक एक क्लब के सदस्य होंगे एवं अनेक मित्रों को आकर्षित करेंगे। परंतु आपको अपने मित्रों का चयन करने (बनाने) के प्रति सतर्क रहना चाहिए क्योंकि इन मित्रों में से कुछ मित्र आपके उत्तम प्रबंध का दुरुपयोग करेंगे तथा ऐसी संभावना है कि वे आपके साथ कोई धोखा धड़ी का प्रयास करेंगे।

इसके अतिरिक्त आपके मित्रगण आपमें अनुरागी एवं प्रशंसक होकर आपके उदार प्रवृत्ति से आवश्यकता के अनुरूप सहायक होंगे। मुख्यतः आपके अधीनस्थ रहने वाले लोग भी सहायक होंगे।

बल्कि आप मीन राशि के द्विस्वभात्मक प्राणी हैं। इसलिए आपके (स्वाभावादि) का अध्ययन करना लोगों के लिए दुष्कर है। सामान्यतः आप शांति एवं प्रसन्नचित्त प्राणी हैं तथा

Astro Numerologer "Om Namah Shivay"

Dharuhera, Rewari (HARYANA)

9817787962

अकस्मात् आप सुरक्षित हो जाते हैं। ऐसा बदलाव क्यों? यह प्रवृत्ति अन्यों को आश्चर्य में डाल देते हैं। आप एक चिंतनशील भावना के प्राणी हो सकते हैं। आप अन्यों की समस्या के संबंध में सोचते रहते हैं जो कि विषय विचार-विमर्श के अंतर्गत होता है। परंतु यह प्रवृत्ति अन्यों के ऊपर गलत प्रभाव डालता है। वे ऐसा अनुभव करते हैं कि आप उन लोगों की अनदेखी करते हैं। अच्छा तो यह है कि आप नीची दृष्टि कर के धरती पर आ कर करें तथा आप सतत अपने मित्र एवं विश्वास पात्रों से उत्तम धारणा का आनंद प्राप्त करें।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, परंतु ऐसा संकेत प्राप्त होता है कि आप कतिपय रोगों से आक्रांत हो सकते हैं। यथा कफ, जुकाम, सर्दी, अपाचनिक अथवा हार्नियों रोगादि। अतः आप अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं आवश्यक अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक लाभदायक एवं भाग्यशाली है। परंतु मात्र 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम एवं लाभजनक दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम प्राप्ति के दिन हैं। इसके अतिरिक्त अन्य तीन दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहरणीय है।

आप हर दशा में (ब्लू नीले रंग का परित्याग करें, क्योंकि यह रंग आपके लिए अव्यवहरणीय है। शेष लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग आपके लिए उत्तम, प्रसन्नतादायक एवं आनंद प्रदान करने वाला है।

Asha singh

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृत्ति में धन संग्रह किया जाये, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृत्ति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझती हैं। वास्तव में भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकती हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेंगी। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृत्ति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगी। आपकी आँखें आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत योनि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दुबले पतली शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगी। आपकी आकर्षक आँखें एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत योनि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेंगे।

Astro Numerologer "Om Namah Shivay"

Dharuhera, Rewari (HARYANA)

9817787962

आप वणिक प्रवृत्ति की प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृत्ति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगी। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगी। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किंचित लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगी। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगी।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि की प्राणी है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगी। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रियात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगी। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगी संभाल सकेंगी जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरुद्ध आन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगी कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत्त हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपने प्रेमी के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त पर पति का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपके एक अच्छे पति एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगी। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफाइड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपनी अत्यधिक भोजन करने की प्रवृत्ति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करें। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करें।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।



Astro Numerologer "Om Namah Shivay"

Dharuhera, Rewari (HARYANA)

9817787962

अंक ज्योतिष फल

Bhupal Partap Singh

आपका जन्म दिनांक 17 है। एक एवं सात के योग से आपका मूलांक 8 होता है। आठ मूलांक का स्वामी शनि है। अंक एक का सूर्य तथा सात का भारतीय मत से केतु एवं पाश्चात्य मत से नेपच्यून है। इन तीनों ग्रहों का प्रभाव आपके जीवन में दृष्टिगोचर होगा। मूलांक 8 के स्वामी शनि प्रभाव से आपकी उन्नति धीरे-धीरे होगी। आपके जीवन में संघर्ष अधिक रहेंगे एवं प्रत्येक कार्य को प्रारम्भ करने के बाद अवरोध आयेंगे। जिन्हें आप मेहनत एवं धैर्य से पार कर उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

निराशा एवं आलस्य दो अवगुण आपकी प्रगति के बाधक रहेंगे। अतः किसी भी कार्य की असफलता से निराश न हों तथा दुबारा प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। कार्य में कर्म के सिद्धांत को मानते हुये आलस्य से दूर रहना सफलता की कुंजी रहेगा। अंक एक के स्वामी सूर्य एवं सात के केतु या नेपच्यून के प्रभाव से आपकी कल्पना शक्ति, विचार शक्ति अच्छी रहेगी। आप में दूसरों को समझने की शक्ति अच्छी होगी। अतीन्द्रिय ज्ञान भी अच्छा रहेगा। सूर्य प्रभाव से आपका नाम स्थायी प्रसिद्धि को प्राप्त करेगा। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में आपको यश तथा लाभ प्राप्त होगा।

उच्च वर्ग में आप लोकप्रिय होंगे एवं उच्चवर्ग से लाभ प्राप्त करेंगे। आपकी इच्छा शक्ति दृढ़ रहेगी एवं अपनी बात पर अड़िग रहने की प्रवृत्ति आप में पाई जायेगी। आप थोड़े हठी होंगे। हठ की यह प्रवृत्ति यदाकदा आपको हानि भी पहुँचायेगी। अतः जहाँ तक हो सके आप अपने हठ पर सन्तुलन रखें एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें। सूर्य केतु शनि ग्रहों के प्रभाव से आप अपने जीवन में एक सफल व्यक्ति रहेंगे। आपकी ख्याति अच्छी रहेगी तथा दूसरों के लिये उदाहरण का कार्य करेगी।

Asha singh

आपका जन्म दिनांक 19 है। एक एवं नौ के योग से आपका मूलांक 1 होता है। मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह है। अंक नौ का स्वामी मंगल है। इन दोनों ही ग्रहों का प्रभाव आप पर आयेगा। मूलांक एक के प्रभाववश आप सूर्य के समान समाज में लोकप्रिय होंगी। बहुतों का पालन करेंगी। उच्च महत्वाकांक्षाएं आपके अन्दर अधिक रहेंगी। संघर्ष, साहस एवं धैर्य से आप अपनी इच्छाओं की पूर्ति करेंगी। जीवन में आप कई उच्च सफलताएं प्राप्त करेंगी। एकाध कार्यों में रुकावट भी आयेगी, जिसे आप सूर्य मंगल के प्रभाववश अपनी मेहनत, धैर्य एवं साहस से पार कर लेंगी।

अंक नौ के स्वामी मंगल के प्रभाव से आपमें अदम्य साहस रहेगा तथा आपकी हमेशा शत्रुओं को जीतने की इच्छा बलवती रहेगी। शत्रु के सामने आप हथियार नहीं डालेंगी और येन केन प्रकारेण शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगी। कभी-कभी आप दुःसाहस करेंगी। जिसका फल आपको ठीक नहीं मिलेगा। क्रोध से आपको हानि अधिक होगी। अतः क्रोध से

Astro Numerologer "Om Namah Shivay"

Dharuhera, Rewari (HARYANA)

9817787962

हमेशा बचना आपके लिये हितकर रहेगा।

आपकी विचारधारा स्वतंत्र स्वभाव की रहेगी। इससे आपको किसी के आधीन कार्य करने में असुविधा महसूस होगी। जबकि स्वतंत्र प्रभार वाले कार्यों में आप तन मन धन से सेवा करेंगी और नाम तथा यश प्राप्त करेंगी। आपको अपने रोजगार, व्यापार में स्वतंत्र प्रभार वाले क्षेत्रों का चुनाव करना प्रगति में सहायक होगा। सामाजिक एवं संगठन के क्षेत्र में आप मुखिया के समान कार्य करेंगी एवं स्वयं की योजनानुसार कार्य करने पर आपको अच्छी ख्याति एवं लाभ प्राप्त होगा। सूर्य एवं मंगल का मिला जुला प्रभाव आपको उच्चता प्राप्त करायेगा।

Bhupal Partap Singh

भाग्यांक दो का स्वामी चन्द्र ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति उन्नत किशम की होगी। बौद्धिक स्तर आपका उच्च कोटि का रहेगा एवं बुद्धि जन्य कार्यों में आपकी विशेष अभिरुचि रहेगी। शारीरिक श्रम साध्य कार्यों में आपकी दिलचस्पी कम रहेगी। चन्द्रमा जिस तरह घटता-बढ़ता रहता है, उसी प्रकार आपके भाग्य का सितारा भी कभी तो एकदम ऊँचाईयों को प्राप्त करेगा और कभी आप एकदम घोर अंधकार में अपने आप को पायेंगे। ऐसे समय में धैर्य रखना आपके लिए अनिवार्य हो जाता है, क्योंकि आपके भाग्य का सितारा भी पुनः पूर्णिमा की तरह प्रकाशित होगा। धैर्य न रखना आपकी कमजोरियों में रहेगा।

भाग्य आपका बदलता रहेगा। एक स्थिर मुकाम पर कभी भी नहीं पहुँचेगा। आपको सम्पूर्ण जीवन में भाग्योदय की कुछ कमी खटकती रहेगी। आपको अधिकारियों से लाभ रहेगा तथा धन-धान्य से आप सुखी रहेंगे। आपको अपनी चलायमान प्रकृति पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा एक के बाद एक कार्यों को बीच में छोड़कर आगे बढ़ने की प्रवृत्ति वश आपके कार्य देर से सफल होंगे और कभी असफल भी होंगे।

Asha singh

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाली महिला के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगी। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगी।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगी। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगी। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगी। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगी और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगी जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता रहे और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

Astro Numerologer "Om Namah Shivay"

Dharuhera, Rewari (HARYANA)

9817787962